बिहार सरकार

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

(पशुपालन)

पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार

ऑफ पोलो रोड, पटना–01

गर्मी के मौसम में पशुओं की देखभाल हेतु आवश्यक सुझाव

- पशुओं को धूप एवं लू से बचाव हेतु पशुओं को हवादार पशुगृह अथवा छायादार वृक्ष के नीचे रखें।
- पशुगृह को ठंढ़ा रखने हेतु दीवारों के उपर जूट की टाट लटका कर उसपर थोड़ी–थोड़ी देर पर पानी का छिड़काव करना चाहिए।
- पंखे अथवा कूलर का यथासंभव उपयोग करें।
- शरीर में जल एवं लवण की कमी को ध्यान में रखकर दिन में कम से कम चार बार स्वच्छ जल उपलब्ध कराना चाहिये। साथ ही संतुलित आहार के साथ–साथ उचित मात्रा में खनिज मिश्रण देना चाहिये।
- मौनसून आने से पूर्व पशुओं को गलाघोंटू एवं ब्लैक क्वार्टर (एच0एस0 एवं बी0क्यू0) रोग से बचाव हेतु टीकाकरण अवश्य करा लेना चाहिए।
- पशुओं खासकर भैंस को दिन में दो–तीन बार नहाना चाहिए।
- आहार में संतुलन हेतु एजोला घास का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही आहार में गेहूँ का चोकर एवं जौ की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए।
- गर्मी में अगलगी की घटना प्रायः आम बात है, इससे बचने हेतु विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।
- विषम परिस्थिति में नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क स्थापित करना चाहिये।

(डा0 दिवाकर प्रसाद)
सहायक निदेशक